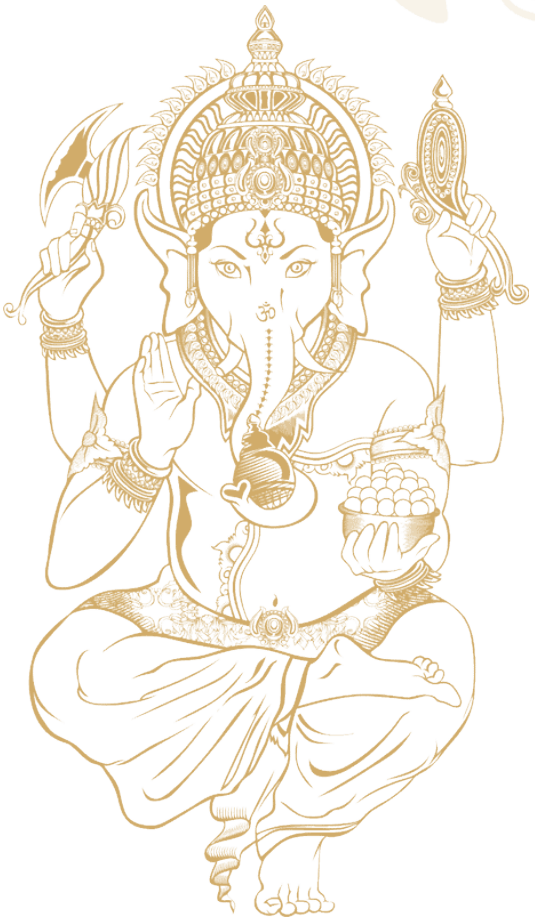

?????? ??????

20 Jul 1998

09:50 AM

Garhwa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121950804

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/07/1998**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:50:00 घंटे**
इष्ट	11:19:43 घटी
स्थान	**Garhwa**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	24:10:05 उत्तर
रेखांश	83:48:18 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:13 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:55:13 घंटे
वेलान्तर	-00:06:19 घंटे
साम्पातिक काल	05:46:14 घंटे
सूर्योदय	05:18:06 घंटे
सूर्यास्त	18:43:45 घंटे
दिनमान	13:25:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:26:10 कर्क
लग्न के अंश	03:01:23 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वृद्धि
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वूली
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:01:23	329:17:22	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			कर्क	03:26:10	00:57:17	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृष	20:16:16	14:01:32	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मूलत्रिकोण
मंगल			मिथु	15:26:14	00:40:00	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			कर्क	29:51:21	00:47:06	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
गुरु	व		मीन	04:13:03	00:00:25	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			मिथु	06:49:12	01:12:14	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि			मेष	09:11:06	00:02:42	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	08:05:59	00:04:44	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	08:05:59	00:04:44	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	17:29:16	00:02:18	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	07:02:12	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:39:23	00:00:50	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	03:00:17	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:05

लग्न-चलित

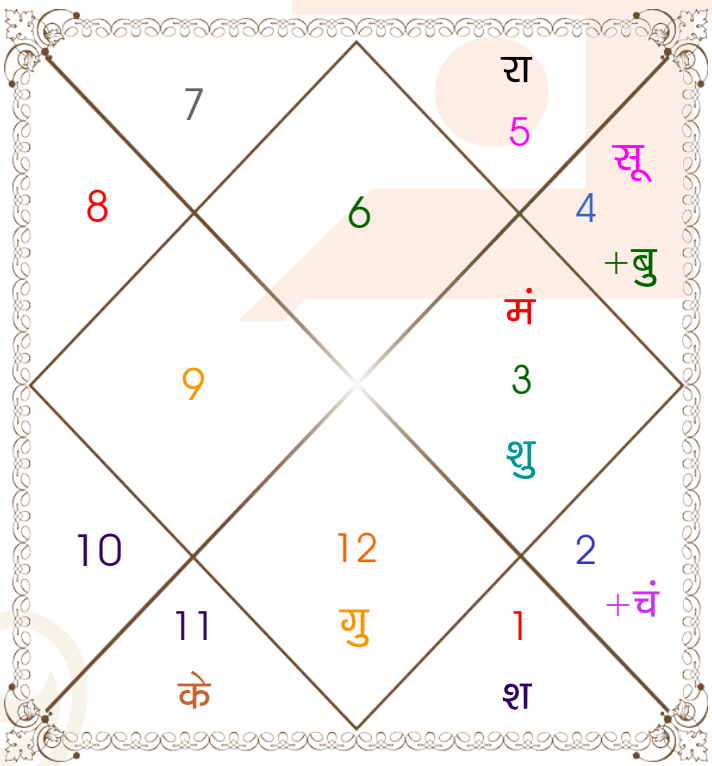

चन्द्र कुंडली

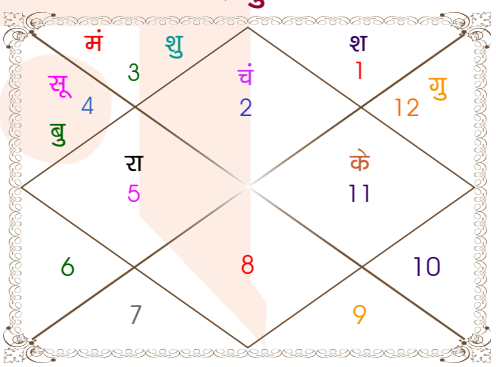

नवमांश कुंडली

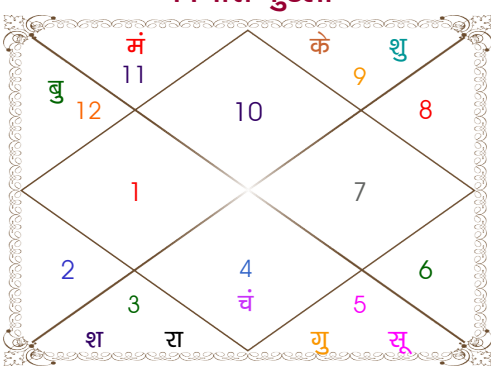

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 3 मास 17 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/07/1998		05/11/2000		06/11/2007		05/11/2025		05/11/2041	
05/11/2000		06/11/2007		05/11/2025		05/11/2041		05/11/2060	
	00/00/0000	मंगल	03/04/2001	राहु	19/07/2010	गुरु	24/12/2027	शनि	08/11/2044
	00/00/0000	राहु	21/04/2002	गुरु	11/12/2012	शनि	07/07/2030	बुध	19/07/2047
	00/00/0000	गुरु	28/03/2003	शनि	18/10/2015	बुध	11/10/2032	केतु	27/08/2048
	00/00/0000	शनि	06/05/2004	बुध	07/05/2018	केतु	17/09/2033	शुक्र	27/10/2051
	00/00/0000	बुध	03/05/2005	केतु	25/05/2019	शुक्र	18/05/2036	सूर्य	08/10/2052
	20/07/1998	केतु	30/09/2005	शुक्र	25/05/2022	सूर्य	07/03/2037	चंद्र	10/05/2054
केतु	05/09/1998	शुक्र	30/11/2006	सूर्य	19/04/2023	चंद्र	07/07/2038	मंगल	19/06/2055
शुक्र	06/05/2000	सूर्य	06/04/2007	चंद्र	18/10/2024	मंगल	12/06/2039	राहु	24/04/2058
सूर्य	05/11/2000	चंद्र	06/11/2007	मंगल	05/11/2025	राहु	05/11/2041	गुरु	05/11/2060

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/11/2060		05/11/2077		05/11/2084		06/11/2104		06/11/2110	
05/11/2077		05/11/2084		06/11/2104		06/11/2110		00/00/0000	
बुध	03/04/2063	केतु	03/04/2078	शुक्र	06/03/2088	सूर्य	23/02/2105	चंद्र	07/09/2111
केतु	31/03/2064	शुक्र	03/06/2079	सूर्य	07/03/2089	चंद्र	25/08/2105	मंगल	07/04/2112
शुक्र	30/01/2067	सूर्य	09/10/2079	चंद्र	05/11/2090	मंगल	31/12/2105	राहु	07/10/2113
सूर्य	06/12/2067	चंद्र	09/05/2080	मंगल	05/01/2092	राहु	25/11/2106	गुरु	06/02/2115
चंद्र	06/05/2069	मंगल	05/10/2080	राहु	05/01/2095	गुरु	13/09/2107	शनि	06/09/2116
मंगल	04/05/2070	राहु	24/10/2081	गुरु	05/09/2097	शनि	25/08/2108	बुध	05/02/2118
राहु	20/11/2072	गुरु	30/09/2082	शनि	06/11/2100	बुध	01/07/2109	केतु	21/07/2118
गुरु	26/02/2075	शनि	09/11/2083	बुध	07/09/2103	केतु	06/11/2109		00/00/0000
शनि	05/11/2077	बुध	05/11/2084	केतु	06/11/2104	शुक्र	06/11/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 3 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करती कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहती हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करती है कि आपकी छोटी सी महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुकी हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगी और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगी। आप अस्थिर बुद्धि की महिला हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगी। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधी लम्बे आकृति की तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहती हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति की अंहकार से युक्त प्राणी है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होती हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि की महिला हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करती हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखती हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाती हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेती हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकती हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकती हैं। यदि आपमें

कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर की नेता हो सकती हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकती है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।